

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

शून्य से शुरू होकर सफलता तक का सफर : गणेश दहीवाले ने “श्री कालिका डोअर्स” को बनाया भरोसे का नाम

Sanket Morankar

Published on 25 May 2026



भारत में ऐसे कई लोग हैं जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को सच करने का साहस रखते हैं। इन्हीं प्रेरणादायक व्यक्तित्वों में एक नाम है **गणेश कचरू दहीवाले** का, जिन्होंने अपने संघर्ष, मेहनत और दूरदर्शिता के बल पर “श्री कालिका डोअर्स” को एक सफल और भरोसेमंद ब्रांड बनाया।

आज उनका नाम केवल एक उद्योगपति के रूप में नहीं, बल्कि मेहनत और जिद से सफलता हासिल करने वाले प्रेरणास्रोत के रूप में लिया जाता है।

गणेश दहीवाले का जन्म अहिल्यानगर के एक सामान्य परिवार में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद साधारण थी। न कोई बड़ा व्यवसायिक बैकग्राउंड था और न ही किसी तरह का आर्थिक सहारा। लेकिन उनके भीतर कुछ बड़ा करने की इच्छा हमेशा से थी। उन्होंने परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। कम संसाधनों में भी उन्होंने अपने सपनों को जिंदा रखा और लगातार मेहनत करते रहे।

2009 में शुरू हुई “श्री कालिका डोअर्स” की यात्रा

साल 2009 में गणेश दहीवाले ने “श्री कालिका डोअर्स” नाम से अपने व्यवसाय की शुरुआत की। शुरुआत बहुत छोटी थी। एक छोटे से वर्कशॉप में सीमित साधनों के साथ काम शुरू हुआ।

उस समय रोज केवल चार दरवाजे तैयार होते थे। आर्थिक समस्याएं, बाजार में प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों का भरोसा जीतना आसान नहीं था। लेकिन गणेशजी ने हर चुनौती का सामना धैर्य और मेहनत से किया।

गणेश दहीवाले का मानना था कि किसी भी व्यवसाय की सबसे बड़ी ताकत ग्राहक का विश्वास होता है। इसलिए उन्होंने शुरुआत से

ही अपने काम में गुणवत्ता और ईमानदारी को सबसे अधिक महत्व दिया।

उन्होंने कभी भी काम की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया। यही कारण रहा कि धीरे-धीरे ग्राहकों का भरोसा बढ़ता गया और “श्री कालिका डोअर्स” का नाम लोगों के बीच लोकप्रिय होने लगा।

समय के साथ गणेशजी ने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को समझा। लोगों को अपने घरों के लिए आधुनिक डिजाइन और मजबूत दरवाजों की आवश्यकता थी।

इसी सोच के साथ उन्होंने आधुनिक मशीनों और नई तकनीकों को अपने व्यवसाय में शामिल किया। अब ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार डिजाइन तैयार करवा सकते थे।

इस आधुनिक सोच ने “श्री कालिका डोअर्स” को बाजार में अलग पहचान दिलाई।

जिस व्यवसाय की शुरुआत एक छोटे कमरे से हुई थी, आज वह बड़े स्तर पर पहुंच चुका है। वर्तमान में गणेश दहीवाले के पास दो आधुनिक फैक्ट्रियां हैं, जहां बड़े पैमाने पर दरवाजों का निर्माण किया जाता है।

उनके उद्योग से कई लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने स्थानीय युवाओं को काम के अवसर देकर समाज के आर्थिक विकास में भी योगदान दिया है।

आज “श्री कालिका डोअर्स” केवल अहिल्यानगर तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के कई जिलों तक अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।

हर सफल इंसान के पीछे उसके परिवार और करीबी लोगों का बड़ा योगदान होता है। गणेश दहीवाले के जीवन में भी उनके माता-पिता का आशीर्वाद और दोस्तों का समर्थन बेहद महत्वपूर्ण रहा।

कठिन समय में उनके परिवार और मित्रों ने उनका हौसला बढ़ाया। यही सहयोग उनके संघर्ष के दिनों में सबसे बड़ी ताकत बना।

आज गणेश दहीवाले उन युवाओं के लिए प्रेरणा हैं जो कम संसाधनों के कारण अपने सपनों को अधूरा मान लेते हैं।

उन्होंने साबित कर दिया कि अगर इंसान के अंदर मेहनत करने की इच्छा और कुछ बड़ा करने का जुनून हो, तो वह किसी भी परिस्थिति में सफलता हासिल कर सकता है।

उनकी कहानी यह संदेश देती है कि:

“सफलता पैसों से नहीं, बल्कि मेहनत, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से मिलती है।”

गणेश दहीवाले का सपना केवल एक सफल व्यवसाय तक सीमित नहीं है। वे आने वाले समय में “श्री कालिका डोअर्स” को और बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हैं।

आधुनिक तकनीक, बेहतरीन गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के माध्यम से वे अपने उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

गणेश कचरू दहीवाले की कहानी संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक मिसाल है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि इरादे मजबूत हों, तो एक साधारण इंसान भी अपनी मेहनत से असाधारण सफलता हासिल कर सकता है।

“श्री कालिका डोअर्स” केवल एक कंपनी नहीं, बल्कि उस सपने की पहचान है जिसे गणेश दहीवाले ने अपने संघर्ष और मेहनत से साकार किया।